www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 44 | जौनपुर, मंगलवार, 29 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग पर किया मानहानि का केस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग के बीच विवाद अब कोर्ट तक पहुंच गया है। निशिकांत दुबे ने सुभाष चंद्र गर्ग के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में 2 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। इसके साथ ही उन्होंने पटियाला हाउस कोर्ट में आपराधिक मानहानि का केस भी किया है। पूरा मामला एक पॉडकास्ट में दिए गए बयान से जुड़ा है। आरोप है कि पॉडकास्ट के दौरान पूर्व फाइनेंस सेक्रेटरी सुभाष चंद्र गर्ग ने सांसद निशिकांत दुबे को श्ब्लैकमेल करने वाला आदमीश कहा था। गर्ग ने यह भी आरोप लगाया था कि निशिकांत दुबे उनके ऑफिस आए थे और लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) के चेयरमैन पर दबाव डालने की सिफारिश लेकर आए थे। उनका कहना था कि निशिकांत दुबे एलआईसी, तबादलों और कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मामलों में उनका हस्तक्षेप चाहते थे।इस बयान के बाद भाजपा सांसद ने कड़ी आपत्ति जताई है। सासंद निशिकांत दुबे ने कहा कि गर्ग के ये आरोप पूरी तरह से झूठे, दुर्भावनापूर्ण और उनकी छवि खराब करने वाले हैं। इसी को आधार बनाकर उन्होंने मानहानि का मुकदमा दायर किया है। बता दें कि सासंद दुबे और गर्ग के बीच यह टकराव इसी महीने और तेज हो गया था।

जनता चाहती है बैलेट पेपर से चुनाव हों, चुनाव आयोग दे जवाब : चंद्रशेखर आजाद

शामली, (एजेंसी)। आजाद पार्टी के अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जनता की मांग है कि चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय बैलेट पेपर से कराए जाएं।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे ऊपर होनी चाहिए और चुनाव आयुक्त पर उठाए गए सवालों का जवाब भी उन्हें ही देना चाहिए। आजाद पार्टी के अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ष्मैं फिर कहता हूं कि जनता की मांग है कि चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से कराए जाएं। यह लोकतंत्र है और लोगों की आवाज सबसे ऊपर होनी चाहिए। चुनाव आयुक्त पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। जवाब उनसे मांगा जाना चाहिए, मुझसे नहीं। चुनाव आयुक्त को ही बताना होगा कि वह क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी मजबूती के साथ चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पार्टी की चुनावी तैयारियों और रणनीति की जानकारी सार्वजनिक हो जाएगी।

योगी आदित्यनाथ, महापुरुषों की दूरदर्शी दृष्टि बनती है भविष्य की मजबूत नींव

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि सामान्य व्यक्ति अपने परिवार के बारे में सोचता है, लेकिन महापुरुषों की दृष्टि दूरदर्शी होती है। वह यहां गोरखनाथ मंदिर में आयोजित युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि विषयक व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। आदित्यनाथ अपने गुरु के गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 57वीं तथा राष्ट्रसंत एवं अपने गुरु महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सप्त दिवसीय पुण्यतिथि समारोह में शामिल होने के लिए सोमवार को ही यहां पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि जब देश गुलाम था तब महंत दिग्विजय नाथ ने बालिका शिक्षा और संस्कृत

शिक्षण संस्थान की स्थापना की थी तथा उनके जैसे कुछ ही लोग थे जो कहते थे कि गुलामी की बेड़ियां टूटेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''वास्तव में आप जब महापुरुषों के बारे में सुनते हैं, पूज्य संतों के जीवन चरित्र को पढ़ते हैं तो एक नयी प्रेरणा प्राप्त होती है। महापुरुष केवल वर्तमान में नहीं जीता। जिनके कार्य दूरदर्शी होते हैं, वे हमें भले ही प्रत्यक्ष रूप में वर्तमान में दिखते हों, लेकिन उनकी कार्ययोजना भविष्य के एक सुदृढ़ नींव के रूप में नयी प्रेरणा देती है।'' आदित्यनाथ ने कहा, आज युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि है और कल मेरे पूज्य गुरुदेव राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ महाराज की पुण्यतिथि है।' उन्होंने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद और अन्य संस्थाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि आज से लगभग 94–95 वर्ष पहले जब देश गुलाम था, संसाधनों का अभाव था, तब महंत दिग्विजयनाथ महाराज ने गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। उन्होंने बताया कि जब महंत से पूछा गया ।

हमारी सुरक्षा चिंताओं को न समझना रिश्तों के लिए समस्या – एस. जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और रणनीतिक सहयोग के साथ–साथ आतंकवाद का मुद्दा भी रिश्तों में एक अहम चुनौती के रूप में सामने आया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं को लेकर अमेरिका के रुख पर अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि यदि कोई सहयोगी देश भारत की गंभीर सुरक्षा चिंताओं को पर्याप्त रूप से नहीं समझता, तो इसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ना स्वाभाविक हैजयशंकर ने भारत–अमेरिका संबंधों में मौजूदा जटिलताओं के पीछे व्यापार के साथ आतंकवाद को भी एक प्रमुख मुद्दा बताया। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बिना सीमापार आतंकवाद और राज्य प्रायोजित आतंकवाद के मुद्दे का उल्लेख किया।भारत लंबे समय से पाकिस्तान से होने वाले सीमापार आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है। जयशंकर ने भी अपने हालिया सार्वजनिक बयानों में आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दोहराया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद का लगातार इस्तेमाल करने वाला देश बताते हुए आतंकवाद को सामान्य बनाने की कोशिशों का विरोध किया। जयशंकर की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संपर्क भी चर्चा में है। भारत की चिंता यह है कि सीमापार आतंकवाद के मुद्दे पर उसके सुरक्षा हितों को अमेरिकी नीति में पर्याप्त महत्व मिलना चाहिए।हालांकि, यह कहना कि अमेरिका ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बारापुला फेज–3 का उद्घाटन किया, प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली में लंबे समय से अटके बारापुला एलिवेटेड रोड फेज–3 का उद्घाटन किया। इस भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा और कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस दौरान

दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने पूर्व की श्आपश सरकार पर इस प्रोजेक्ट को लटकाए रखने का गंभीर आरोप लगाया। उद्घाटन कार्यक्रम में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने पिछली सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ष्जब हमारी सरकार ने 18 महीने पहले, 20 फरवरी को शपथ ली थी, तो उसके ठीक 10 दिन बाद मैं यहां निर्माण कार्य का निरीक्षण करने आया था। इस पुल और फ्लाईओवर का निर्माण 11 साल से चल रहा था। इस देरी की वजह से दिल्ली के टैक्सपेयर्स और निवासियों के करोड़ों रुपए बर्बाद हुए।ष्उन्होंने बताया, ष्जब मैं यहां पहुंचा, तो इंजीनियरों ने मुझे बताया कि 10 साल में पहली बार दिल्ली सरकार का कोई अधिकारी या मंत्री इतने अहम प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने आया था। मैं यहां आया, समस्याओं और कमियों को समझा, और एनओसी और लंबित मंजूरियों की कमी को दूर किया, तब जाकर यह प्रोजेक्ट पूरा हो पाया।ष् कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, ष्मैं हमारे मंत्री प्रवेश वर्मा, हमारे सभी अधिकारियों को बधाई देती हूं, जो अनगिनत बार यहां आए, हर अनुमति के लिए विभिन्न विभागों से संपर्क किया और उनसे संपर्क करने के बाद उन कार्यों को पूरा कराया।

एशियाई खेलों में पारुल, पिंकी और ईशा की पदक जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियाई खेल 2026 में पदक जीतने वाली भारतीय खिलाड़ियों पारुल चौधरी, पिंकी बलहारा और ईशा सिंह को बधाई दी है। पारुल ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में कांस्य, पिंकी ने कुराश के महिलाओं के 78 किलोग्राम भार–वर्ग में कांस्य, जबकि ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल की व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया है। प्रधानमंत्री ने तीनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने पर पारुल

चौधरी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पारुल की यह सफलता उभरते हुए एथलीटों के लिए बेहद प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री ने उन्हें आगे के प्रयासों में सफलता की शुभकामनाएं दीं। पिंकी बलहारा ने एशियाई खेलों में कुराश की महिलाओं के 78 किलोग्राम भार–वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। प्रधानमंत्री ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि पिंकी ने पूरी प्रतियोगिता के दौरान असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। उन्होंने पिंकी को भविष्य में नई ऊंचाइयां हासिल करने और देश को गौरवान्वित करने के लिए शुभकामनाएं दीं। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल की व्यक्तिगत स्पर्धा में ईशा सिंह ने रजत पदक जीता। प्रधानमंत्री ने उनके प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ईशा ने बेहतरीन स्कोर के साथ बेहद सटीकता और आत्मसंयम का प्रदर्शन किया। उन्होंने ईशा को भविष्य में और भी सफलताएं हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर अलग–अलग पोस्ट के माध्यम से तीनों खिलाड़ियों को बधाई दी। पारुल की सफलता को उभरते एथलीटों के लिए प्रेरणादायक बताया गया, जबकि पिंकी के साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना की गई। ईशा सिंह के प्रदर्शन को सटीकता और आत्मसंयम से जुड़ी उपलब्धि बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

पेंशनर्स आक्रोशित देश भर मे धरना-प्रदर्शन कर केन्द्र सरकार की विभेदकारी नितियो का किया बिरोध

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के घोषित कार्यक्रम केअनुसार प्रदेश के समस्थ जनपदो मे एक दिवसीय धरना–प्रदर्शन करके,आल इण्डिया स्टेट गवर्नमेंट पेंशनर्स फेडरेशन के पूरे भारत वर्ष मे घोषित एक दिवसीय धरना–प्रदर्शन कार्यक्रम को समर्थन देते हुए, अपनी मांगो से सम्बन्धित ज्ञापन प्रधान मन्त्री भारत सरकार एवं मुख्य मन्त्री उत्तर प्रदेश सरकार को भेज कर तत्काल पूर्ण करने की मांग किया। हजारो की संख्या पेंशनर्स धरना–प्रदर्शन करके जनपद मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर मे संगठन के जनपद अध्यक्ष सी बी सिंह की अध्यक्षता मे आम सभा करके किया गया ,जिसका संचालन जिला मन्त्री कृपाशंकर उपाध्याय ने किया। आम सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष सी बी सिंह ने केन्द्र सरकार के गठित आठवे वेतन आयोग की प्रधान मन्त्री की जनवरी 2026 मे की गयी घोषणा के ग्यारह महीने बाद भारत का राजपत्र 30 नवम्बर 2026को प्रकाशित किया गया,जो पूर्व के अन्य सभी वेतन आयोग से अलग हट कर,जनवरी 2026के पूर्व के पेन्शनर्स को बेतन आयोग के टर्म्स रिफरेन्स से बाहर कर दिया गया है।भारत सरकार के पारित वित्त बिधेयक 2025 मे तिथि के आधार पर पेंशनर्स मे बिभेद के अशं को हटाने की मांग संगठन उसी समय से कर रहा है ।सरकार अनेक अवसर पर केन्द्रीय वित्त राज्य मन्त्री के बयान आदि से पेंशनर्स की आशंका को निराधार बताया गया, लेकिन सरकार की कार्यवाही मे पुराने पेंशनर्स मे बिभेद के संकल्प को बनाये रक्खा गया है,जो सरकार के दो मुही निति का परिचायक है। इस प्रकार जनवरी 2026के पूर्व सेवानिवृत सभी अधिकारी कर्मचारी शिक्षक पेंशनर्स सरकार की इस बीभेदकारी नितियो से आक्रोशित है। अध्यक्ष ने सरकार की पेंशनर्स बिरोधी निति से सावधान करते हुए, कहां कि हमे बडे से वडे संघर्ष के लिए संगठन की आवाज पर तैयार रहना होगा। संगठन के बारह सूत्रीय मांग यथा वित्त विधेयक 2025मे तिथि के आधार पर बिभेद पैदा करने वाले अशं को हटाते हुए पुराने पेंशनर्स को आठवे बेतन आयोग आयोग की सीमा मे लाया जाए,बेतन आयोग के प्रक्रियागत बिलम्ब की स्थिति मे अन्तरिम सहायता दिया जाए, भारत सरकार के राजपत्र दिनांक–28–8–208मे प्रकाशित निर्णयो के अनुसार कर्मचारियों, पेंशनरो,शिक्षको के लिए अलग से सी पी आई बनायी जाए, पेंशनर्स की पैसठ वर्ष आयु पूर्ण होने के पश्चात प्रत्येक पांच वर्ष पर पांच प्रतिशत पेंशन की बृध्दि दी जाय,महगाई भत्ता पच्चास प्रतिशत से अधिक होने पर उसे मूल बेतनध्पेंशन मे मर्ज किया जाय, आदि मांगो से सम्बन्धित ज्ञापन अध्यक्ष की अनुमति से जिला मन्त्री कृपाशंकर उपाध्याय ने आम सभा मे अपने सम्बोधन से प्रस्तुत करते हुए पारित किए जाने का प्रस्ताव किया जिसको आम सभा ने सर्व सम्मत से पारित कर दिया । धरना–प्रदर्शन स्थल पर जिलाधिकारी के प्रतिनिधि नगर मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह उपस्थित होकर मांगो से सम्बन्धित ज्ञापन प्राप्त करके,अपने सम्बोधन मे ज्ञापन माननीय प्रधान मन्त्री जी एवं माननीय मुख्य मन्त्री जी को भेजने का आश्वासन दिया। धरना–प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पुर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक राकेशकुमार श्रीवास्तव ने पेंशनर्स की मांग को शीध्र निस्तारित करने की सरकार से अपेक्षा करते हुए ,सचेत किए कि हम पेंशनर्स को सरकार हल्के मे न ले अन्यथा इसका खामियाजा भुगतना होगा। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओ ने पेंशनर्स की मांग पर सरकार शीध्र बिचार करके पूर्व की भांति वेतन आयोग के टर्म्स रिफरेन्स मे पेन्शनर्स को सम्मिलित करने की मांग किया। मांग पूरी नही होने पर संघर्ष का एलान किया। मुख्य रूप से कृष्ण कुमार त्रिपाठी.इं0प्रमोद कुमार सिंह, दसरथ राम, चन्द्र शेखर सिंह, राम कृष्ण यादव, ओकांर नाथ मिश्र, नरेन्द्र कुमार सिंह, पुट्टीलाल यादव, सूबेदार यादव, मिठाई लाल, राजेश कुमार श्रीवास्तव, मनीदेवी,महालक्ष्मी वर्मा,कान्ती सिंह नन्दलाल सरोज गोरखनाथ माली,राजेन्द्र प्रसाद सिह ,अशोक कुमार मौर्य, कंचन सिंह, विजय कुमार,यस एन सिंह, विनय कुमार,शम्भूनाथ, राम प्रताप यादव, प्रेम धर उपाध्याय, कामरेड कल्लू,रवीन्द्र सिंह, रमेश, विक्रमायादव, प्रदीप कुमार सिंह, दिनेश चन्द्र सिंह, बी डी सिंह, अवधेश कुमार सिंह, अजय कुमार सिंह, विनय कुमार गुप्ता डॉक्टर आशाराम यादव, साहबाल यादव नरेन्द त्रिपाठीआदि ने सम्बोधित किया।अन्त मे सभाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त किया।संचालन जिलामन्त्री कृपाशंकर उपाध्याय ने किया।

लखनऊ के झूलेलाल पार्क में 20 दिसंबर को आयोजित सनातन शौर्य सम्मेलन मे होगा देश विदेश के संतों का महासंगम – मनोज श्रीवास्तव

(दीपक श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ लखनऊ)

लखनऊ।सनातन दर्शन, संस्कृति और आध्यात्मिक एकता को समर्पित सनातन शौर्य सम्मेलन का आयोजन 20 दिसंबर को झूलेलाल पार्क, लखनऊ में किया जाएगा।यह जानकारी भारतीय केसरिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने दिया।बताया कि इस सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों से भी संत, साधु, संन्यासी और आचार्य शामिल होंगे।सम्मेलन में नाथ संप्रदाय सहित विभिन्न मठों और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रतिनिधियों की मौजूदगी प्रस्तावित है।बताया कि सिक्ख,जैन और बौद्ध परंपराओं से जुड़े संत–महात्माओं के भी शामिल होने की बात कही है।बताया कि यह आयोजन विभिन्न परंपराओं के बीच संवाद, सांस्कृतिक एकता और मानव कल्याण के संदेश को सामने रखने का माध्यम बनेगा।आयोजकों के अनुसार सम्मेलन के माध्यम से सनातन परंपरा की विविध धाराओं को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।भारतीय केसरिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने सनातन प्रेमियों से बड़ी संख्या में सम्मेलन में पहुंचकर सहभागिता करने की अपील की है।

10 राज्यों को 1,082 कृषि मंत्री शिवराज सिंह बोले– किसान हित ही एकमात्र प्राथमिकता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों और केंद्र सरकार से राजनीति से ऊपर उठकर कृषि को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। साथ ही, श्रबी अभियान 2026 के दूसरे दिन आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में उन्होंने राज्यों के साथ हर महीने प्रगति की समीक्षा करने की घोषणा की। इस सत्र में विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी, केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी, केंद्रीय कृषि सचिव अतिश चंद्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ष्ब्।त्) के महानिदेशक एमएल जाट, वैज्ञानिक और कृषि संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए चौहान ने जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकारों और राजनीतिक दलों को दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मंच पर राजनीति के लिए कोई जगह नहीं हैय एकमात्र उद्देश्य खेती में सुधार करना और किसानों की तरक्की सुनिश्चित करना है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हर नीति और अंतरराष्ट्रीय समझौते में किसानों के हितों को प्राथमिकता दी गई है। इस कार्यक्रम के दौरान, चौहान ने दस राज्यों के कृषि मंत्रियों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना तहत 1,082 करोड़ रुपये की वित्तीय मंजूरी के पत्र सौंपे। इस आवंटन में पश्चिम बंगाल के लिए 290 करोड़ रुपये, हरियाणा के लिए 198 करोड़ रुपये, छत्तीसगढ़ के लिए 181 करोड़ रुपये, अरुणाचल प्रदेश के लिए 154 करोड़ रुपये, बिहार के लिए 114 करोड़ रुपये, कर्नाटक के लिए 104 करोड़ रुपये, मिजोरम के लिए 75 करोड़ रुपये, हिमाचल प्रदेश के लिए 64 करोड़ रुपये, झारखंड के लिए 58 करोड़ रुपये और पंजाब के लिए 43 करोड़ रुपये शामिल थे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार न सिर्फ नीतियां बनाती है, बल्कि जमीनी स्तर पर योजनाओं को तुरंत लागू करने के लिए राज्यों को समय पर संसाधन भी उपलब्ध कराती है।

संपादकीय

बुनियाद हवाई उम्मीदें

स्टार्ट–अप रिसर्च फर्म ट्रैकसन के मुताबिक एआई में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रुख अमेरिका की ओर मुड़ा। नतीजतन, कम–से–कम 10 भारतीय स्टार्ट–अप्स अपना यूनिकॉर्न का दर्जा गंवा चुके हैं। भारत में कम से कम 10 स्टार्ट–अप्स 2024 के बाद से अपना यूनिकॉर्न दर्जा गंवा चुके हैं। यूनिकॉर्न उन नई टेक कंपनियों को कहा जाता है, जिनका बाजार मूल्य एक बिलियन डॉलर से अधिक हो जाता है। कोरोना काल में भारतीय स्टार्ट–अप्स विदेशी निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बने। नतीजतन, 2020–21 के बाद से तकरीबन 100 भारतीय स्टार्ट–अप्स को यूनिकॉर्न का दर्जा मिला। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्स्टार्ट–अप इंडियाद्य योजना की कामयाबी बताया गया। लेकिन 2024 से कहानी पलटनी शुरू हो गई। स्टार्ट–अप रिसर्च एवं एनालिटिक्स फर्म ट्रैकसन के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रुख अमेरिका की ओर मुड़ा। उधर अमेरिकी बॉन्ड्स पर ब्याज दरें भी बढ़ीं, जिनसे वहां निवेश करने में ज्यादा फायदा नजर आने लगा। इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी तमाम तरह की नकारात्मक चर्चाएं चलीं। तो कहा जा रहा है कि निवेशक अब कहानी के बजाय कारोबार की ठोस संख्याओं (मुनाफा) को देख रहे हैं। यानी धारणा बनी है कि भारतीय स्टार्ट–अप्स ने उज्ज्वल भविष्य की कहानियां निवेशकों को बेची थीं, जिनमें अब निवेशकों का भरोसा घट गया है। यह दीगर है कि निवेशकों का अभी जो आकर्षण केंद्र है, वह भी फिलहाल रेत की जमीन पर ही टिका है। अंतरराष्ट्रीय वित्त क्षेत्र में एआई में हुए अनियंत्रित निवेश को बाजार का बबूला मानने वालों की तदाद तेजी से बढ़ रही है। अमेरिका में मुद्रास्फीति में इजाफे के साथ ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना मजबूत हुई है। उधर अमेरिका सरकार पर 40 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज चढ़ चुका है, इसलिए उसके बॉन्ड भी अब ऊंची ब्याज दर पर बिक रहे हैं। इससे बाजार में उपलब्ध नकदी के सिकुड़ने की आशंका है। कहा गया है कि हर बड़ा मार्केट बबल तब फटा, जब मुख्य कंपनियों के लिए उधार लेने की लागत (यानी ब्याज दर) तेजी से बढ़ी। यह सवाल चर्चा में है कि क्या एआई बूम का भी वही हाल होने जा रहा है? गौरतलब है कि चाहे स्टार्ट–अप बूम हो या एआई, दोनों की बुनियाद हवाई उम्मीदें रही हैं। ऐसी कथाओं का अक्सर निराशाजनक अंत होता है।

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

प्रह्लाद

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक– जेफ्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 ळॅ हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं। भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनीयरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 ळॅ की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 ळॅ की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है। एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्स्टायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी – एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ओफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है। बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी ट्रूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रेन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह जैसी अति पवित्र संस्था को पश्चिमी देशों ने केवल मौज मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है। साथ ही, पश्चिमी दर्शन में पुनर्जन्म में विश्वास नहीं किया जाता है, जो कुछ भी भोगना है केवल इसी जन्म में सम्पन्न करना है। अतः इन देशों में अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए बच्चे पैदा करना आवश्यक नहीं समझा जा रहा है। इन देशों में समाज की जीवन शैली ही इस प्रकार की बन गई है कि केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित करें एवं अपनी काया को किसी प्रकार का कष्ट नहीं होना चाहिए, परिवार पर एवं समाज पर किसी नागरिक का ध्यान बहुत कम है। पश्चिमी देशों में नागरिक, "मैं और केवल मैं" किस प्रकार अधिक से अधिक सुखी रह सकता हूं, इस विषय पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। यह विशेषताएं पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत मुखर रूप से उभर का सामने आती है। बच्चे पैदा करने का निर्णय भी बचत एवं खर्च की दृष्टि को सामने रखकर लिया जा रहा है। चूंकि मैं अपने बच्चे पर होने वाले खर्च को वहन नहीं कर सकता हूं अतः मुझे बच्चे पैदा ही नहीं करना है।

राष्ट्राध्यक्षों द्वारा हिंदी गाने गाकर सांस्कृतिक जुड़ाव की रणनीति

प्रोफेसर

दिल्ली में हुए ब्रिक्स 2026 शिखर सम्मेलन के दौरान, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने दो लोकप्रिय हिंदी फिल्मी गाने गाकर सबका ध्यान खींचा। उन्होंने ष्ख्वाब हो तुम या कोई हकीकतष और ष्दोस्त, दोस्त न रहा, प्यार प्यार न रहाष गाने गाए। इससे पहले, फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान, अनवर ने श्कभी खुशी कभी गमश फिल्म के गाने ष्बोले चूड़ियाँष के साथ अपना आधिकारिक वीडियो एडिट करके उसमें बॉलीवुड का तड़का लगाया था। विदेशी नेता और अधिकारी लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में हिंदी गाने गाते रहे हैं। जैसा कि कहा जाता है, ष्संगीत की कोई भाषा नहीं होती। यह सीधे दिल से निकलता है।ष समय के साथ, कई गैर–भारतीय हस्तियों ने वैश्विक आयोजनों में हिंदी गाने गाकर दर्शकों का दिल जीता है। इसके कुछ उल्लेखनीय उदाहरण नीचे दिए गए हैं। अगस्त 2023 में, भारत में तत्कालीन ब्रिटिश उच्चायुक्त सर अलेक्जेंडर एलिस ने किशोर कुमार की जयंती के अवसर पर श्ब्लैकमेलश (1973) फिल्म का गाना ष्पल पल दिल के पासष गाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पसंदीदा हिंदी फिल्में श्शोलेश और श्चुपके–चुपकेश हैं। यह सांस्कृतिक कूटनीति का एक बेहद व्यक्तिगत रूप था, क्योंकि ब्रिटिश राजनयिक ने खुद हिंदी गाना गाने में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया था। 27 से 28 अप्रैल 2018 तक चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित वुहान शिखर सम्मेलन के दौरान, हुबेई संग्रहालय में एक कार्यक्रम में चीनी संगीतकारों ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए हिंदी फिल्म श्येवादा रहाश (1982) के गाने ष्तू तू है वही दिल ने जिसे अपना कहाष की धुन (इंस्ट्रूमेंटल) बजाई। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ष्विदेशी धरती पर भारतीय संगीत सुनकर बहुत अच्छा लगा... हमारे कलाकार दुनिया भर में लोकप्रिय हैं।ष दिवंगत ऋषि कपूर, जो मूल गाने में नजर आए थे, ने भी ट्वीट किया, ष्सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। मार्च 2021 में, भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू के लिए आयोजित एक डिनर में, जिसमें अमेरिकी नौसेना के चीफ ऑफ नेवल ऑपरेशन्स एडमिरल माइकल गिल्डे भी शामिल हुए थे, अमेरिकी नौसेना के आधिकारिक बैंड श्सी चौंटर्सश ने हिंदी फिल्म श्स्वदेशश (2004) का गाना ष्ये जो देश है तेराष पेश किया। अमेरिकी नौसेना बैंड ने ट्वीट किया, ष्नौसेना बैंड 1925 से ही नौसेना को सहयोगी देशों से जोड़ रहा है! होली की शुभकामनाएं।ष राजदूत संधू ने जवाब दिया, ष्यह दोस्ती का ऐसा बंधन है जिसे तोड़ा नहीं जा सकता। 2019 में, महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने के लिए 124 देशों के संगीतकारों ने भक्ति गीत ष्वैष्णव जन तो तेने कहिएष की एक मेडली (कई धुनों का मिश्रण) पेश की। भारत के विदेश मंत्रालय की अगुवाई वाली इस पहल में आर्मेनिया से अंगोला और आइसलैंड से इराक तक के देशों के कलाकार शामिल थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका संकलन वीडियो जारी किया। राजनीतिक वैज्ञानिक इस घटनाक्रम को ष्सांस्कृतिक कूटनीतिष या ष्बॉलीवुड कूटनीतिष कहते हैं। इसमें सॉफ्ट पावर के एक साधन के तौर पर हिंदी सिनेमा का इस्तेमाल किया जाता है और कूटनीतिक प्रोटोकॉल के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव में संतुलन बनाया जाता है। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने इस तरीके को अपनाने में काफी कुशलता दिखाई है। जो विदेशी नेता या प्रतिनिधि हिंदी गाने गाते हैं या सीधे तौर पर भारतीय सांस्कृतिक चीजों से जुड़ते हैं, वे पब्लिक डिप्लोमेसी (जन–कूटनीति) के एक बहुत असरदार तरीके का इस्तेमाल करते हैं। आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में, जहां प्रभाव राजनीतिक या सैन्य दबाव के बजाय आकर्षण पर टिका होता है, किसी देश की लोकप्रिय संस्कृति से सीधा जुड़ाव कूटनीतिक तनाव को कम करता है। इससे तुरंत सद्भावना बढ़ती है, हालांकि अगर यह दिखावा लगे तो बनावटी भी लग सकता है। पारंपरिक कूटनीतिक प्रोटोकॉल औपचारिक स्क्रिप्ट, राजकीय भोज और तयशुदा बयानों पर निर्भर करता है, जो अक्सर पक्षों के बीच दूरी बढ़ाते हैं। जब कोई विदेशी प्रतिनिधि कोई सांस्कृतिक काम करता है, जैसे कि कोई मशहूर हिंदी गाना गाना, तो आम प्रोटोकॉल से हटकर किया गया यह काम अपनापन, विनम्रता और कोशिश को दिखाता हैय लेकिन अगर इसे अच्छी तरह से नहीं लिया गया, तो इसके अजीब लगने का खतरा भी रहता है। इस संरचनात्मक बदलाव से कई तरह से यह बदलता है कि राजनयिक बातचीत को कैसे देखा जाता है। सम्मान और तैयारी का संकेतरू किसी विदेशी भाषा में गाने के बोल सीखना काफी मेहनत का काम है, जो यह दिखाता है कि आने वाला नेता मेजबान देश की सांस्कृतिक पहचान को महत्व देता है। राजनीतिक हस्तियों को मानवीय रूप देनारू यह तरीका किसी नेता के बारे में जनता की सोच को एक औपचारिक सरकारी प्रतिनिधि से बदलकर एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश करता है जिससे आसानी से जुड़ा जा सके। इससे अहम बातचीत के दौरान भावनात्मक दूरियां कम होती हैं, हालांकि अगर यह दिखावटी लगे तो इसका असर सीमित हो सकता है। हिंदी सिनेमा (बॉलीवुड) और संगीत ऐतिहासिक रूप से वैश्विक श्सॉफ्ट पावरश के बड़े माध्यम रहे हैं। दशकों से, भारतीय सिनेमा मध्य एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका, पूर्वी यूरोप और दक्षिण–पूर्व एशिया में लोकप्रिय रहा है। जब गैर–भारतीय नेता शास्त्रीय या आधुनिक हिंदी गाने गाते हैं, तो वे लोगों की पुरानी सांस्कृतिक यादों को ताजा करते हैंरू जैसे सोवियत–बाद के देशों और रूस में, ष्सर पे लाल टोपी रूसीष गाना, जिसे ष्मेरा जूता है जापानीष के नाम से भी जाना जाता है, 1955 की बॉलीवुड क्लासिक फिल्म श्श्री 420श, जिसमें राज कपूर मुख्य भूमिका में थे, को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली। इस वापसी ने सोवियत–युग की यादें ताजा कर दीं और शीत युद्ध के बाद के रिश्तों को फिर से मजबूत किया, जिससे राज कपूर एक सांस्कृतिक आइकन के तौर पर उभरे। दक्षिण–पूर्व एशिया में, रामायण और महाभारत जैसे साझा महाकाव्य और बॉलीवुड संगीत, गहरी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों वाले रिश्तों को और मजबूत करते हैं। पश्चिमी देशों में, जिनमें अमेरिका और ब्रिटेन शामिल हैं।

एआई क्षेत्र में नई उड़ान भरने को तैयार छत्तीसगढ़

दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में छत्तीसगढ़ भी अब एक नई छलांग लगाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार एआई को विकास, रोजगार और सुशासन के नए अवसरों से जोड़ने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। खेती–किसानी से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासन तक हर क्षेत्र में एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रभावी उपयोग से रोजगार और नवाचार के नए अवसर सृजित करते हुए हम विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं। 500 करोड़ रुपये का मुख्यमंत्री एआई मिशन भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 500 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री एआई मिशन की शुरुआत की है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को केवल एआई तकनीक अपनाने वाला राज्य नहीं, बल्कि इसके उपयोग और नवाचार में सिरमौर बनाना है। इस मिशन के तहत प्रदेश में 100 एआई लैब और 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे। योजना के अंतर्गत लगभग 6 लाख विद्यार्थियों और डेढ़ लाख शासकीय अधिकारी– कर्मचारियों को एआई के उपयोग से जोड़ा जाएगा। साथ ही, शासन की 50 से अधिक सेवाओं को एआई के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं को जॉब सीकर (नौकरी तलाशने वाला) की बजाय जॉब क्रिएटर (नौकरी पैदा करने वाला) बनाने के लिए मशीन लर्निंग और डेटा साइंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कृषि, स्वास्थ्य और प्रशासन में एआई का प्रयोग इस मिशन का दायरा केवल आईटी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर आम जनता के जीवन को आसान बनाने के लिए उतारा जा रहा है। कृषि मौसम, फसल, कीट और रोगों के आंकड़ों के विश्लेषण से किसानों को समय पर सटीक सलाह मिल सकेगी। एआई आधारित तकनीक से जांच, रोग पहचान और स्वास्थ्य संसाधनों के प्रबंधन में सुधार होगा। सुशासन एवं उद्योग सरकारी पोर्टलों (जैसे सेवा सेतु) के विस्तार और एआई के उपयोग से योजनाओं की मॉनिटरिंग और नागरिक सेवाओं को सुगम बनाया जा रहा है। वहीं उद्योगों में उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी। कारखानों में रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग के उपयोग से उत्पादन की गति बढ़ती है और त्रुटियाँ कम होती हैं। एआई सेंसर मशीनों की स्थिति पर लगातार नजर रखते हैं और खराबी आने से पहले ही चेतावनी दे देते हैं, जिससे लागत बचती है। उद्योगों में व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को समझने और 24ङ्ग7 सहायता प्रदान करने के लिए एआई संचालित टूल का उपयोग किया जाता है। नवा रायपुर बन रहा तकनीक और एआई का नया हब नवा रायपुर को आईटी, एआई और डाटा सेंटर के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ लगभग 1 हजार करोड़ रुपये के निवेश से एआई आधारित डाटा सेंटर और एआई एसईजेड विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, नवा रायपुर में करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना का निर्णय लिया गया है। एनआईटी रायपुर और ट्रिपल आईटी नवा रायपुर में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से खनन, इस्पात, स्वास्थ्य, कृषि और स्मार्ट गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं। नवा रायपुर में देश का पहला एआइ आधारित डेटा सेंटर नवा रायपुर अटल नगर में देश का पहला एआइ आधारित डेटा सेंटर सेक्टर–22 में 13.5 एकड़ में विकसित हो रहा यह प्रोजेक्ट न केवल प्रदेश की पहचान को नई ऊंचाई देगा, बल्कि आम जनता के लिए भी बड़े बदलाव लेकर आएगा। प्रदेश के युवाओं को बेहतर करियर के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही एआइ तकनीक का फायदा किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी मिलेगा। डिजिटल सेवाएं मजबूत होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ दूरदराज के क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेगा।

संपत्ति विक्रय में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने रचा नया कीर्तिमान

सुनील त्रिपाठी

छत्तीसगढ़ में आवासीय सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना विकास को नई गति देने की दिशा में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने संपत्ति विक्रय के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विकास कार्यों में गति, पारदर्शिता और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन, विक्रय प्रक्रिया को सरल बनाने और हितग्राहियों की सुविधा को प्राथमिकता देने के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। मंडल के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक मात्र 2 वर्ष 8 माह की अवधि में 7,650 संपत्तियों का विक्रय किया गया है। इस अवधि में संपत्ति विक्रय का वार्षिक औसत लगभग 2,869 संपत्ति रहा है। यह आंकड़ा पिछले पांच वर्षों के प्रदर्शन की तुलना में मंडल की विक्रय क्षमता में आई उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। वर्ष 2019 से 2023 तक पांच वर्षों की अवधि में मंडल द्वारा कुल 7,793 संपत्तियों का विक्रय किया गया था। इस दौरान वार्षिक औसत लगभग 1,559 संपत्ति रहा। इसके मुकाबले वर्ष 2024 से अगस्त 2026 की वर्तमान अवधि में वार्षिक औसत बढ़कर लगभग 2,869 संपत्ति हो गया है। अर्थात पिछले पांच वर्षों की तुलना में वर्तमान अवधि में मंडल के वार्षिक औसत संपत्ति विक्रय में लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मंडल की उपलब्धि केवल संपत्तियों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि संपत्ति विक्रय से प्राप्त राशि में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक मंडल द्वारा कुल 1,609.18 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का विक्रय किया गया है। इस अवधि में संपत्ति विक्रय का वार्षिक औसत लगभग 603 करोड़ रुपये रहा। वहीं वर्ष 2019 से 2023 तक पांच वर्षों में कुल 1,362.21 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का विक्रय हुआ था। इस अवधि में वार्षिक औसत विक्रय मूल्य 272.44 करोड़ रुपये रहा। वर्तमान अवधि में यह औसत बढ़कर लगभग 603 करोड़ रुपये हो गया है। इस तरह मंडल के वार्षिक औसत संपत्ति विक्रय मूल्य में पिछले पांच वर्षों की तुलना में दो गुने से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। ये आंकड़े बताते हैं कि मंडल द्वारा उपलब्ध संपत्तियों के प्रबंधन और विक्रय को लेकर अपनाई गई कार्ययोजना प्रभावी रही है। संपत्तियों के बेहतर उपयोग, मांग के अनुरूप विक्रय व्यवस्था, हितग्राहियों के लिए प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने तथा लंबित मामलों के निराकरण पर ध्यान देने से विक्रय गतिविधियों में तेजी आई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ–साथ शासन की प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। नागरिकों को समय पर सुविधाएं उपलब्ध हों और सरकारी संस्थाओं की संपत्तियों का बेहतर उपयोग हो, इस दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गृह निर्माण मंडल की संपत्ति विक्रय में सामने आई यह वृद्धि इसी व्यापक दृष्टिकोण से जुड़ी हुई है। मंडल की संपत्तियों के प्रभावी उपयोग से एक ओर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों को आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियां प्राप्त करने के अवसर मिल रहे हैं। वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा विभागीय संस्थाओं में कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणाम आधारित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गृह निर्माण मंडल की संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और विक्रय प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए भी इसी दृष्टिकोण के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। मंडल द्वारा उपलब्ध संपत्तियों के विक्रय में तेजी के साथ–साथ बकाया मामलों के निराकरण और हितग्राहियों को राहत देने के लिए विशेष योजनाओं को भी प्रभावी रूप से लागू किया गया है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण वन टाइम सेटलमेंट–2 (ओटीएस–2) योजना है। ओटीएस–2 योजना से 1,584 संपत्तियों का निराकरण मंडल द्वारा बकाया राशि के मामलों के समाधान और संपत्तियों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से लागू की गई वन टाइम सेटलमेंट–2 छूट योजना को भी व्यापक सफलता मिली है। योजना के अंतर्गत 1 मार्च 2025 से वर्तमान दिनांक तक 1,584 संपत्तियों का विक्रय एवं निराकरण किया गया है। इन संपत्तियों का कुल मूल्य लगभग 238.67 करोड़ रुपये है। ओटीएस–2 योजना के माध्यम से लंबे समय से लंबित बकाया मामलों के निराकरण का रास्ता आसान हुआ है। इससे हितग्राहियों को अपनी देनदारियों के समाधान का अवसर मिला, वहीं मंडल की संपत्तियों के प्रभावी उपयोग और वित्तीय प्रबंधन को भी मजबूती मिली है। हितग्राही–केंद्रित व्यवस्था बनी बदलाव का आधार गृह निर्माण मंडल की संपत्ति विक्रय में हुई वृद्धि के पीछे केवल अधिक संपत्तियों को बाजार में उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि हितग्राहियों की सुविधा को केंद्र में रखकर प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने का प्रयास भी महत्वपूर्ण है। आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों के विक्रय में पारदर्शिता, सरलता और सुविधा पर जोर दिए जाने से नागरिकों के लिए संपत्ति खरीदने की प्रक्रिया अधिक सहज हुई है। मंडल द्वारा संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन के साथ उनकी मांग, स्थान और उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए विक्रय प्रक्रिया को गति देने का प्रयास किया जा रहा है। इससे मंडल की उपलब्ध संपत्तियों का उपयोग बढ़ा है और नागरिकों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप संपत्ति प्राप्त करने के अवसर भी मिले हैं। आंकड़े बता रहे बदलाव की तस्वीर यदि पिछले पांच वर्षों और वर्तमान अवधि के प्रदर्शन की तुलना की जाए तो मंडल की उपलब्धि स्पष्ट रूप से सामने आती है। वर्ष 2019 से 2023 के दौरान जहां पांच वर्षों में 7,793 संपत्तियों का विक्रय हुआ, वहीं वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक केवल 32 माह में 7,650 संपत्तियां विक्रय की जा चुकी हैं। इसी तरह संपत्ति विक्रय से प्राप्त राशि भी पांच वर्षों के 1,362.21 करोड़ रुपये की तुलना में वर्तमान 32 माह में 1,609.18 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इस तरह कम अवधि में लगभग पिछले पांच वर्षों के बराबर संपत्तियों का विक्रय और उससे भी अधिक मूल्य की संपत्तियों का विक्रय मंडल की कार्यप्रणाली में आए बदलाव को रेखांकित करता है। आवास और अधोसंरचना विकास के लिए मजबूत आधार गृह निर्माण मंडल का मूल उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ आवासीय एवं अधोसंरचनात्मक विकास को बढ़ावा देना है। संपत्ति विक्रय में आई तेजी से मंडल के संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होने के साथ भविष्य की आवासीय एवं विकास परियोजनाओं के लिए भी बेहतर आधार तैयार हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों और वित्त एवं आवास मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा संपत्ति प्रबंधन से विकास की गति की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। संपत्तियों का बेहतर उपयोग, लंबित मामलों का निराकरण, हितग्राहियों को सुविधाजनक सेवाएं और पारदर्शी विक्रय व्यवस्थाकृइन सभी प्रयासों का सम्मिलित प्रभाव मंडल के प्रदर्शन में दिखाई दे रहा है। गृह निर्माण मंडल की यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि जब सरकारी संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन, सरल प्रक्रिया और हितग्राही–केंद्रित दृष्टिकोण एक साथ आगे बढ़ते हैं, तो उसका सीधा लाभ नागरिकों और विकास गतिविधियों को मिलता है। आने वाले समय में भी मंडल द्वारा पारदर्शी एवं सुविधाजनक व्यवस्था को और मजबूत करते हुए संपत्ति विक्रय को गति देने तथा प्रदेश में आवास एवं अधोसंरचना विकास को नई ऊंचाई देने के प्रयास जारी रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

तीन दिन की बैंक हड़ताल से पहले खुले रहेंगे बैंक

लखनऊ, (संवाददाता)। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए रविवार को प्रयागराज समेत देशभर के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सामान्य कार्यदिवस की तरह खुले रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय के निर्देश पर रविवार को बैंक शाखाओं, एटीएम से जुड़ी शाखाओं तथा करेंसी चेस्ट को खुला रखने का विशेष निर्णय लिया गया है, ताकि हड़ताल से पहले ग्राहकों को नकदी निकासी, चेक क्लीयरेंस और अन्य जरूरी बैंकिंग कार्य निपटाने का अवसर मिल सके।बैंक कर्मचारी संगठनों की ओर से प्रस्तावित हड़ताल के पीछे पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था लागू करने समेत कई मांगें प्रमुख हैं। बैंक कर्मचारी सभी शनिवार को अवकाश घोषित कर सप्ताह में केवल पांच दिन बैंकिंग कार्य कराने की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। इसके अलावा प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना में मौजूद विसंगतियों को दूर करने और पारदर्शी तरीके से लाभ देने, बैंकों में रिक्त पदों पर भर्ती, पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने तथा अन्य लंबित सेवा संबंधी मांगों को लेकर भी कर्मचारी संगठन आंदोलन कर रहे हैं। हड़ताल में राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और जिला सहकारी बैंक के कर्मचारी तथा अधिकारी भी शामिल होने की बात कही गई है।28 से 30 सितंबर तक हड़ताल के दौरान प्रयागराज जिले की 500 से अधिक बैंक शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहेगा।

भगत सिंह की जयंती पर आप ने प्रदेशभर में लगाया रक्तदान शिविर

लखनऊ, (संवाददाता)। अमर शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के आह्वान पर रविवार को प्रदेशभर में राष्ट्रसेवा के तहत विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। हमीरपुर, फतेहपुर, फिरोजाबाद, सुल्तानपुर, सहारनपुर, आगरा, गोरखपुर, हापुड़, अंबेडकरनगर, गौतमबुद्धनगर, गोंडा, बरेली, गाजीपुर, सोनभद्र और चित्रकूट समेत प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। लखनऊ में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के शताब्दी विभाग में आयोजित रक्तदान शिविर में जिलाध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए जिलाध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि भगत सिंह ने देश की आजादी और स्वाभिमान के लिए हंसते–हंसते अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा कि आजादी के लिए देशभक्तों ने अपना खून बहाया था और आज हमारा दायित्व है कि जरूरतमंद लोगों की जान बचाने के लिए रक्तदान करें। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि शहीदों के विचारों को समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।इरम रिजवी ने कहा कि अस्पतालों में कई बार गरीब और असहाय परिवारों को समय पर रक्त उपलब्ध नहीं हो पाता। दुर्घटनाओं और गंभीर बीमारियों के मामलों में रक्त की कमी मरीजों और उनके परिवारों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है।

शहीद भगत सिंह जयंती पर कवि सम्मेलन

लखनऊ, (संवाददाता)। सैनिक नगर में शहीद–ए–आजम भगत सिंह की जयंती और नखत सम्मान समारोह के तहत कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। काव्य मंच के संस्थापक कवि संजय मिश्रा 'रजोल' ने तब कलम क्रांति का स्वर फूंको, जब अक्षर–अक्षर आग बने पंक्तियां सुनाकर श्रोताओं की तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में डॉ. पंडित 'बेअदब' लखनवी, डॉ. अल्का अस्थाना, डॉ. मनमोहन बाराकोटि, डॉ. आचार्य प्रेम शंकर शास्त्री 'बेताब', इंजीनियर सुनील बाजपेयी, शरद सिंह 'शरद', श्रीकृष्ण द्विवेदी 'द्विजेश', कुमार 'तरल', अनिल किशोर शुक्ल 'निडर' और शरद मिश्र 'सिंधु' ने रचनाएं प्रस्तुत कीं। इस मौके पर वीपी शुक्ल, डॉ. देवेश प्रसाद शुक्ल, हरिप्रकाश हरि, संजीव अवस्थी, रजत अवस्थी, विजय श्रीवास्तव समेत कई लोग मौजूद रहे।

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया क्षमावाणी पर्व

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना स्थित जैन मंदिर में रविवार को क्षमावाणी पर्व श्रद्धा, भक्ति और आत्मशुद्धि के भाव के साथ मनाया गया। विहसंत सागर दी महाराज ने प्रवचन में कहा कि क्षमा कायर नहीं, वीर ही कर सकता है। क्षमा भाव से सारी सिद्धियां अपने आप प्राप्त हो जाती हैं। क्षमा का भाव अतीत नहीं, भविष्य सुधारता है। कार्यक्रम में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने संत का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व को क्षमावाणी पर्व के संदेश का अनुसरण करने की जरूरत है। क्षमा, शांति और आपसी सद्भाव समाज व विश्व के लिए आवश्यक हैं। दोपहर में शोभायात्रा निकाली गई। इसके बाद भगवान महावीर की प्रतिमा का अभिषेक और शांतिधारा कर पूजा संपन्न हुई।

ट्रॉमा में पंजीकरण काउंटर अब मुख्य गेट पर

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में इमरजेंसी मरीजों और तीमारदारों को पंजीकरण के लिए अब ट्रॉमा के पीछे तक दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। मुख्य गेट के पास ही नए पंजीकरण काउंटर बनाए गए हैं, जिससे इमरजेंसी में पहुंचने वाले मरीजों का पंजीकरण आसानी से हो सकेगा। यह कदम मरीजों को राहत देने के लिए उठाया गया है। पहले पंजीकरण की व्यवस्था ट्रॉमा सेंटर के पीछे थी। गंभीर मरीज को इमरजेंसी में छोड़कर तीमारदारों को पंजीकरण के लिए भागदौड़ करनी पड़ती थी, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती थी। ट्रॉमा सीएमएस प्रेमराज सिंह ने बताया कि नए काउंटर से तीमारदार वहीं पंजीकरण करा सकेंगे। इससे इमरजेंसी में इलाज शुरू कराने में भी आसानी होगी। ट्रॉमा सेंटर में 400 बेड हैं और रोजाना 250 से 300 से अधिक मरीज आते हैं।

गुज्जर गिरोह के लोगों पर सेल्समैन को पीटने का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। रंजीतखेड़ा पुलिया के पास रविवार को शराब के सेल्समैन उन्नाव के असीवन निवासी दुर्गा प्रसाद ने गुज्जर गिरोह के सदस्यों पर उन्हें पीटने का आरोप लगाया है। मोहनलालगंज पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। दर्ज एफआईआर के जरिये दुर्गा प्रसाद ने बताया कि वह मोहनलालगंज के कनकहा में शराब की दुकान में सेल्समैन हैं।

चोरी करते पकड़े जाने के डर से उदयराज की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में सिकरारा थाना क्षेत्र के भभौरी गोदाम चौराहे पर सोमवार सुबह हुई उदयराज यादव (50) की हत्या का पुलिस ने 12 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार, चोरी करने पहुंचे चार दोस्तों को उदयराज ने देख लिया था। पहचान उजागर होने के डर से आरोपियों ने उसके सिर पर वार कर हत्या कर दी मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि वारदात में आकाश गौतम, शेर बहादुर, सूरज गौतम और रामू गौतम शामिल थे। पुलिस ने आकाश, शेर बहादुर और सूरज को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि रामू गौतम फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक, चारों आरोपियों ने रविवार रात शराब पार्टी की थी। इसके बाद सभी चोरी करने के इरादे से भभौरी गोदाम चौराहे पर पहुंचे। इसी दौरान दुकान के सामने सो रहे उदयराज की नजर आरोपियों पर पड़ गई। आरोपियों को आशंका हुई कि उदयराज उन्हें पहचान गया है। इसके बाद उन्होंने उसके सिर पर ठोस वस्तु से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। सुबह घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। मृतक की पहचान भभौरी निवासी उदयराज यादव के रूप में हुई थी। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए थे। दुकान मालिक हिमांशु सेठ ने पुलिस को बताया कि उन्होंने करीब पांच महीने पहले दुकान किराये पर ली थी। सोमवार सुबह हत्या की सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचे तो दुकान के तीन ताले टूटे मिले। हालांकि, दुकान से कोई सामान चोरी नहीं हुआ था। पुलिस का कहना है कि मामले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का भी पता चल सकेगा।

गूलर घाट मठ की जमीन का कब्जा करने से बाज नहीं आ रहे दबंग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सरायपोख्ता पुलिस चौकी अन्तर्गत श्रीराम जानकी मठ गूलर घाट की जमीन पर कब्जा करने का मामला सोमवार को पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी के दरबार में पहुंच गया। मठ के वरिष्ठ पुजारी व प्रबन्धक फलाहारी महाराज के अनुसार उन्होंने थाना कोतवाली और स्थानीय पुलिस चौकी पर मंदिर की जमीन को बचाने के लिये लिखित शिकायत किया परन्तु आज तक किसी प्रकार कोई कार्यवाही नहीं हुई। इससे दबंगों का मनोबल बढ़ता गया जो अब अब मन्दिर के पीछे से मन्दिर की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। शिकायत के अनुसार टीनशेड को विपक्षी जितेन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह द्वारा कब्जा करने की नियत से तोड़कृफोड़ करके अन्दर ही अन्दर दीवाल तोड़ दिया गया है जबकि एक किता सिविल वाद न्यायालय सिविल जज (जे०डी) शहर जौनपुर में जितेन्द्र बनाम रामप्रीति मिश्च दाखिल करके स्थगनादेश मिल गया था। प्रार्थी उस आदेश के खिलाफ जिला जज जौनपुर मुत० अपील 111ध्2026 ई० को राम प्रीति बनाम जितेन्द्र दाखिल किया जिसमें न्यायालय द्वारा 24 अगस्त 2026 को आदेश पारित करके निर्देशित किया गया कि मौके पर उभय पक्ष यथास्थिति बनाये रखें परन्तु विपक्षी द्वारा 27 सितम्बर को विपक्षी जितेन्द्र सहित परिवार वाले मन्दिर के पीछे जमीन व टीनशेड की दिवाल को तोड़ दिया जबकि प्रार्थी ने 112 नम्बर पर फोन करके घटना से अवगत कराया। जिला जज के आदेश (स्थगन) के बावजूद विपक्षी ने उपरोक्त गैरकानूनी कार्य किया है। दीवार गिराने एवं गलत तरीके से अन्दर की दीवार पर बोर्ड लगाने लगे तो इसकी सूचना सरायपोख्ता पुलिस चौकी को दी गयी। फिर कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि जितेन्द्र सहित उनके परिवार के लोग फलाहारी महाराज को गली देने लगे। इतना ही नहीं, पूछने पर जानमाल की धमकी भी दिया। इसी को लेकर फलाहारी महाराज ने सोमवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से मिलकर लिखित शिकायत करते हुये मन्दिर की जमीन पर किये जा रहे कब्जे को रूकवाने की मांग किया। साथ ही जानमाल की गुहार भी लगायी।

स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल, उच्चस्तरीय जांच की मांग मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में स्वास्थ्य विभाग में कथित अनियमितताओं और कार्यप्रणाली को लेकर मंगलवार को अधिवक्ता विकास तिवारी एवं अतुल सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इसमें स्वास्थ्य विभाग से जुड़े विभिन्न मामलों की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई। ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट माहिपाल सिंह को सौंपा गया है। ज्ञापन में सीएमओ कार्यालय से जारी स्थानांतरण एवं संबद्धता आदेशों में पारदर्शिता, उनके अनुपालन और कार्यमुक्ति की स्थिति की जांच कराने के साथ कथित बिचौलियों की भूमिका की पड़ताल की मांग की गई। अधिवक्ताओं ने जिले में बिना वैध पंजीकरण अथवा निर्धारित मानकों के संचालित अस्पतालों, क्लीनिकों, पैथोलॉजी और अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जांच कर कार्रवाई की मांग की। सरकारी चिकित्सकों द्वारा कथित अनधिकृत निजी प्रैक्टिस के मामलों की भी जांच कराने को कहा गया। जिला अस्पताल परिसर में खड़े शव वाहनों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर संचालित कराने तथा मर्चरी की व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने की मांग की गई। मर्चरी के खराब उपकरणों, भवन की स्थिति और शवों के सम्मानजनक संरक्षण की व्यवस्था की उच्चस्तरीय जांच की मांग भी उठाई गई। ज्ञापन में जिला अस्पताल परिसर में रखे सोलर पैनल, सर्जिकल बेड, आईसीयू उपकरण समेत अन्य सरकारी संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित क्षति अथवा दुरुपयोग की जांच कराने की मांग की गई। इस दौरान विकास तिवारी, अतुल सिंह, अंकित यादव, नीरज पाठक, चंद्रेश यादव, रंजीत यादव, देवेश मौर्य, निर्भय, वेदप्रकाश, आशीष, चंद्रपाल, नीरज यादव, शिवराज यादव और राहुल सिंह आदि मौजूद रहे।

एशियाई खेल में जौनपुर के लाल रोहित यादव ने जीता कांस्य पदक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। जापान के नागोया में आयोजित 20वें एशियाई खेलों (एशियाड) में जौनपुर के मछलीशहर तहसील क्षेत्र के अदारी डभिया गांव निवासी स्टार जेवलिन थ्रोअर रोहित यादव ने कांस्य पदक जीतकर जिले और देश का मान बढ़ाया है। सोमवार को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में रोहित ने 84.35 मीटर दूर भाला फेंककर तीसरा स्थान हासिल किया। फाइनल मुकाबले में श्रीलंका के रोमेश पथिरागे ने 88.55 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के ही यशवीर सिंह ने 85.72 मीटर भाला फेंककर रजत पदक हासिल किया। रोहित यादव ने 84.35 मीटर के प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इस तरह जेवलिन थ्रो में भारत के दो खिलाड़ियों ने पोडियम पर जगह बनाई। रोहित का हालिया नेशनल बेस्ट 87.48 मीटर है। हालांकि वह इस प्रदर्शन को एशियाड में दोहरा नहीं सके, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस बड़ी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने से उनके गांव और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव में बंटी मिठाइयां, ढोल–नगाड़ों पर झूमे ग्रामीण रोहित के पदक जीतने की खबर मिलते ही अदारी डभिया गांव में जश्न शुरू हो गया। ग्रामीणों ने ढोल–नगाड़ों की थाप पर खुशी मनाई और एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। रोहित के पिता सभाजीत यादव और परिवार के सदस्यों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। रोहित के पिता और पूर्व मैराथन धावक सभाजीत यादव ने कहा कि खेल में हार–जीत लगी रहती है। उन्हें बेटे से स्वर्ण पदक की उम्मीद थी, लेकिन एशिया स्तर की प्रतियोगिता में देश के लिए कांस्य पदक जीतना भी गर्व की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रोहित अपनी कमियों को दूर कर आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए स्वर्ण पदक हासिल करेगा।

विकसित भारत' के संकल्प से गूंजा पीयू सेवा संकल्प अभियान के तहत 53 छात्र–छात्राओं ने प्रस्तुत किए विचार

जौनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्षों के उपलक्ष्य में आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 29 सितंबर को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आर. के. सिंह के दिशा–निर्देशन में प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में 'विकसित भारत की संकल्पना' तथा 'सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं' विषय निर्धारित किए गए थे। विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न विभागों के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए विकसित भारत की परिकल्पना, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्घाटन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के माध्यम से सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र निर्माण से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. श्वेता पांडेय, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. विशाल यादव एवं डॉ. अजय मौर्य शामिल रहे। प्रतिभागियों के भाषण की विषय–वस्तु, प्रस्तुतीकरण, तार्किकता, भाषा एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता में अभिनव कीर्ति पांडेय ने प्रथम, वैष्णवी त्रिपाठी ने द्वितीय तथा मनीष जायसवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 53 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका, नागरिक जिम्मेदारियों और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को सार्वजनिक मंच पर अपनी अभिव्यक्ति और विचार रखने का अवसर प्रदान किया।

13 विभूतियों को दुर्गा स्वरूपा सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। खेल, साहित्य, कला–संस्कृति और समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 13 विभूतियों को रविवार को दुर्गा स्वरूपा सम्मान से नवाजा गया। गोमतीनगर के विभूतिखंड स्थित उर्दू अकादमी में हुए सम्मान समारोह में समाज की सुरक्षा में योगदान देने वाले अग्निशमन सेवा के 11 अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ करीब 20 शिक्षकों और 20 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय तैराक पुष्पा मिश्रा, ओलंपियन हॉकी खिलाड़ी सुजीत कुमार श्रीवास्तव व दानिश मुज्तबा, अंतरराष्ट्रीय एथलीट विमला सिंह और राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शिवांशी जोशी को सम्मान मिला। साहित्य में डॉ. राम बहादुर मिश्रा, अवध ज्योति के संपादक, कवि–साहित्यकार रवीश पांडेय और दूरदर्शन के संयुक्त निदेशक डॉ. आत्म प्रकाश मिश्रा सम्मानित हुए। कला व संस्कृति में लोक गायिका–कवयित्री कुसुम वर्मा, लोक गायक–कवि शिव पूजन शुक्ल, थिएटर निर्देशक–पटकथा लेखक विनोद मिश्रा और एंकर–अभिनेत्री डॉ. अनीता सहगल को सम्मान दिया गया। समाजसेवा के लिए लेडी मोरिंगा के नाम से चर्चित डॉ. कामिनी सिंह को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अग्निशमन सेवा के 11 कर्मियों को दुर्गा स्वरूपा अग्नि योद्धा सम्मान, करीब 20 शिक्षकों को गुरु सम्मान और विद्यार्थियों को छात्र वीर सम्मान दिया गया। समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की पत्नी नम्रता पाठक, दयाशंकर सिंह, पवन सिंह चौहान, बिंदु बोरा, अपर्णा यादव और संतोष श्रीवास्तव, पद्मश्री नसीम बानो व सुनीता झींगरन मौजूद रहीं। रॉनी शाह, रश्मि पाठक, अब्बास रिजवी और ट्विंकल कपूर भी शामिल हुए। फाउंडेशन की सचिव रागिनी श्रीवास्तव और अध्यक्ष प्रशांत सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।

विज्ञान भारती अवध प्रांत की नई कार्यकारिणी गठित

लखनऊ, (संवाददाता)। विज्ञान भारती अवध प्रांत ने वैज्ञानिक चेतना को समाज तक पहुंचाने और संगठन की गतिविधियों के विस्तार के लिए नई कार्यकारिणी गठित की है। रविवार को राजीव गांधी नेशनल एविएशन यूनिवर्सिटी, रायबरेली के कुलपति प्रो. बीएन सिंह को अध्यक्ष और लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. विनय सिंह को महासचिव निर्वाचित किया गया। प्रचार प्रमुख डॉ. निमिष कपूर ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के आरके मुखर्जी सभागार में हुई तीसरी वार्षिक साधारण सभा में करीब 120 आजीवन सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक में वार्षिक प्रतिवेदन, आय–व्यय का विवरण और आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने वैज्ञानिक चेतना, स्वदेशी विज्ञान दृष्टि और भारतीय ज्ञान परंपरा के आधुनिक विज्ञान से समन्वय पर जोर दिया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार ने संवाद के माध्यम से विज्ञान का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही।

तीन दिन में 4.74 लाख लोग पहुंचे, ट्रेड शो में कारोबारियों की हिस्सेदारी बढ़ी, तीन बार का टूटेगा रिकॉर्ड

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का चौथा संस्करण कारोबार और बाजार के बड़े मंच के रूप में तेजी से उभर रहा है। 25 से 27 सितंबर तक शुरुआती तीन दिनों में ही 4.74 लाख लोग ट्रेड शो पहुंच चुके हैं। यह 2025 में पूरे पांच दिन में आए 5.07 लाख आगंतुकों का करीब 93.5 फीसदी है। अभी 28 और 29 सितंबर के दो दिन बाकी हैं। तीन दिनों में 128378 घरेलू बिजनेस खरीदार और 345801 सामान्य लोग पहुंचे हैं। तीसरे दिन अकेले 190028 लोगों की आवाजाही रही जो पहले दिन के 130606 से करीब 45 फीसदी अधिक है। तीसरे दिन 48461 घरेलू बिजनेस खरीदार और 1,41,567 सामान्य आगंतुक पहुंचे। इससे पहले 2023 के पहले संस्करण में करीब 3.07 लाख आगंतुक आए थे, जिनमें 70 हजार बी2बी खरीदार थे। 2024 में कुल आवाजाही करीब पांच लाख रही। 2025 में 5,07,099 आगंतुक पहुंचे, जिनमें 1,40,735 घरेलू बी2बी खरीदार थे। इस बार सिर्फ तीन दिन में ही घरेलू बिजनेस खरीदारों की संख्या पिछले पूरे संस्करण के आंकड़े से करीब 12 हजार पीछे है।

'तीन दिन लगातार बारिश के बाद गर्रा नदी में आई बाढ़ से किसानों की थमी सांसें'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' पिछले सप्ताह करीब 48 घण्टे लगातार हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। भारी वर्षा के चलते खेतों में खड़ी फसलें जलमग्न हो गई,जिससे किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। बारिश थमने के बाद किसानों को कुछ राहत की उम्मीद जगी थी,लेकिन अचानक गर्रा नदी में आई बाढ़ ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी है। लगातार बारिश के कारण खेतों में पहले से ही पानी भरा हुआ था। इसी बीच गर्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से आसपास के इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। नदी का पानी खेतों की ओर बढ़ने से किसानों की चिन्ता बढ़ती जा रही है। पहले ही लगातार बारिश से प्रभावित फसलों पर अब बाढ़ का संकट मड़राने लगा है। किसानों का कहना है कि उन्होंने फसल तैयार करने में काफी मेहनत के साथ काफी लागत लगाई थी। बारिश और जलभराव के कारण फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। अब नदी में आई बाढ़ ने उनकी बची– खुची उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया है। भारी वर्षा से फसलें जल मग्न हो गई। भारी वर्षा से किसानों का काफी नुकसान हुआ है। किसानों की चिंता इस बात को लेकर और बढ़ गई है कि यदि पानी जल्द नहीं उतरा तो फसलों को और अधिक नुकसान हो सकता है। किसानों ने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और फसलों में हुए नुकसान का सर्वे कराकर उचित राहत दिलाने की मांग की है।

'बल्दीराय बीईओ का अतिरिक्त प्रभार शिव शंकर मिश्रा ने संभाला'

ब्यूरो चीफ– आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर। बल्दीराय शिक्षा क्षेत्र में खंड शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार शिव शंकर मिश्रा को सौंपा गया है। स्थानांतरण के बाद मंगलवार को शिव शंकर मिश्रा बल्दीराय स्थित बीआरसी कार्यालय पहुंचे और विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के दौरान बीआरसी कार्यालय के कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने उनका स्वागत किया। शिव शंकर मिश्रा ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने, विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने और विभागीय योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने शिक्षकों से समय से विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागीय दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की समस्याओं का नियमानुसार समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने बीआरसी से संबंधित कार्यों और क्षेत्र की शैक्षिक व्यवस्था की जानकारी भी ली।

कैंट रेलवे स्टेशन पर फायर सेफ्टी को लेकर प्रशिक्षण एवं मॉक ड्रिल का आयोजन

अयोध्या।कैंट रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को फायर सेफ्टी को लेकर प्रशिक्षण एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।कोचिंग डिपो अधिकारी, अयोध्या कैंट द्वारा कर्मचारियों को फायर एक्सटिंग्विशर के संचालन एवं आपात स्थिति में बचाव के संबंध ा में प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी व स्टाफ के साथ ऑपरेटिंग विभाग तथा मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया।इसके बाद रेलवे सुरक्षा बल अयोध्या कैंट द्वारा प्रभारी निरीक्षक हरीश कुमार शाही के दिशा–निर्देशन में स्टेशन परिसर में फायर सेफ्टी संबंधी मॉक ड्रिल आयोजित की गई।एसआई रचना यादव और एएसआई डीपी सिंह के कुशल संचालन में हुई मॉक ड्रिल में जीआरपी अयोध्या कैंट, कोचिंग डिपो स्टाफ, ऑपरेटिंग स्टाफ और मेडिकल विभाग के कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की।मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया और बचाव कार्यों की तैयारियों को परखा।

'शास्त्रीय योग औषधि ही आयुर्वेद की पहचान, संकल्प के साथ हुआ राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह का समापन'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' भारत सरकार के आयुष मंत्रालय एवं जिलाधिकारी के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह के समापन अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय प्रांगण स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी कार्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। सप्ताह भर चले आयुर्वेद जागरूकता कार्यक्रमों के समापन दिवस पर शास्त्रीय योग औषधियों के संरक्षण, संवर्धन एवं चिकित्सकीय प्रयोग पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों ने सामूहिक संकल्प लेकर राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह का समापन किया।

बुंदेलखंड राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, झाँसी के पूर्व शिक्षक एवं अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष तथा इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ विजय जौहरी ने कहा कि शास्त्रीय योग औषधि ही आयुर्वेद की पहचान है। आयुर्वेद चिकित्सकों को शिक्षा एवं प्रशिक्षण के दौरान आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों के साथ शास्त्रीय योगों एवं औषधियों का अध्ययन कराया जाता है। यही ज्ञान आगे रोगियों की चिकित्सा में चिकित्सकीय विवेक के साथ प्रयोग किया जाता है। गोष्ठी में उपस्थित चिकित्सकों ने कहा कि आसव–अरिष्ट, वटी, चूर्ण, क्वाथ, अवलेह, गुग्गुल एवं भस्म आदि शास्त्रीय औषधीय रूप आयुर्वेद की समृद्ध चिकित्सा परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रत्येक शास्त्रीय योग के पीछे उसके घटक, निर्माण–विधि, मात्रा, अनुपान और चिकित्सकीय प्रयोग से संबंधित ज्ञान निहित है। इसलिए शास्त्रीय योग औषधियों का अध्ययन, संरक्षण और उचित चिकित्सकीय प्रयोग आयुर्वेद की पहचान को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

चिकित्सकों ने कहा कि आधुनिक समय में आयुर्वेदिक औषधि निर्माण के क्षेत्र में अनेक फार्मा संस्थाएं कार्य कर रही हैं और नए उत्पाद भी विकसित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के साथ यह भी आवश्यक है कि आयुर्वेद के मूल शास्त्रीय योगों और उनके स्वरूप का अध्ययन एवं चिकित्सकीय प्रयोग निरंतर बना रहे। किसी शास्त्रीय योग के स्थान पर केवल उसके एक–दो घटकों को ही उसका पूर्ण विकल्प मानने के बजाय चिकित्सक को शास्त्रीय संदर्भ और रोगी की आवश्यकता को ध्यान में रखना चाहिए।

वक्ताओं ने कहा कि आयुर्वेद केवल औषधियों का संग्रह नहीं, बल्कि पंचमहाभूत, त्रिदोष, सप्तधातु, अग्नि, ओज तथा अष्टांग आयुर्वेद जैसे व्यापक सिद्धांतों पर आधारित चिकित्सा पद्धति है। शास्त्रीय योग इन सिद्धांतों के व्यावहारिक प्रयोग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। आयुर्वेद की पहचान उसके शास्त्रीय ज्ञान और उस ज्ञान के चिकित्सकीय प्रयोग से जुड़ी है।

चिकित्सकों ने कहा कि आयुर्वेद की प्राचीन चिकित्सा परंपरा का संरक्षण तभी संभव है, जब शास्त्रीय योगों का ज्ञान पुस्तकों तक सीमित न रहकर योग्य चिकित्सकों के माध्यम से चिकित्सा व्यवहार में जीवित रहे।

समापन अवसर पर चिकित्सकों ने सामूहिक संकल्प लियाकृ

"हम आयुर्वेद चिकित्सक आयुर्वेद के शास्त्रीय सिद्धांतों, शास्त्रीय योगों एवं औषधीय परंपरा का सम्मान करेंगे। रोगी के हित को सर्वोपरि रखते हुए उचित चिकित्सकीय विवेक से शास्त्रीय योग औषधियों का प्रयोग करेंगे तथा आयुर्वेद की प्राचीन चिकित्सा परंपरा के संरक्षण, संवर्धन एवं जन–जन तक सही रूप में प्रसार के लिए कार्य करेंगे।"

संकल्प के साथ सप्ताह भर चले राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के कार्यक्रमों का समापन किया गया।

गोष्ठी में उपस्थित चिकित्सकों में डॉ एस पी कौशल डॉ हितेश गुप्ता डॉ रवि सक्सेना, डॉ मुकेश, डॉ राजेंद्र कुशवाहा, संजय अग्रवाल और बृजेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में डॉ विजय जौहरी ने उपस्थित चिकित्सकों, अतिथियों एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया

पथराव में घायल किसान रामफल निषाद की मौत, परिजनों ने शव रख एनएच किया जाम हंगामा

गोरखपुर, (संवाददाता)। 24 सितंबर को बाइक की टक्कर के बाद हुए विवाद में ईंट–पत्थर के हमले से घायल रामफल निषाद (50) की शनिवार रात मौत हो गई। उनकी मौत के बाद परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग लेकर हंगामा किया। पोस्टमार्टम के बाद शाम को शव महावीर छपरा चौराहे पर रखकर राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया गया। जाम करीब 45 मिनट तक चला, जिससे यातायात बाधित रहा। बांसगांव सीओ अनुज कुमार सिंह ने हत्या की धारा बढ़ाने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शांत हुए और उन्होंने जाम खोल दिया। बेलीपार थाना क्षेत्र के महावीर छपरा निवासी रामफल निषाद 24 सितंबर की रात करीब सात बजे गड़वापार से घर लौट रहे थे। डीएन पब्लिक स्कूल के आगे मुर्गे की दुकान के पास राजू भारती और रामा भारती ने मोटरसाइकिल से उन्हें

टक्कर मार दी थी। विरोध करने पर दोनों आरोपियों ने गाली–गलौज की और ईंट–पत्थर से उनके सिर पर हमला कर दिया। गंभीर हालत में रामफल निषाद को बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया था। शनिवार रात करीब 9रू50 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।मृतक के बेटे संदीप निषाद की तहरीर पर बेलीपार पुलिस ने पहले प्राथमिकी दर्ज की थी। यह प्राथमिकी लापरवाही से वाहन चलाने की धारा में थी। इसमें लापरवाही से मौत का कारण बनने और शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करने की धाराएं भी शामिल थीं। परिजन का आरोप था कि यह हत्या का मामला है। वे चाहते थे कि आरोपियों के खिलाफ हत्या की धारा बढ़ाई जाए।रामफल निषाद की मौत के बाद परिजन हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग पर अड़े थे।

जिले में ऑटिज्म काउंसिलिंग की नहीं हैं सुविधा, उच्च संस्थान रेफर होते हैं मरीज

भदोही, (संवाददाता)। जनपद में ऑटिज्म से पीड़ित किशोरों के लिए काउंसिलिंग की कोई सुविधा नहीं है। जिला अस्पताल से लेकर सीएचसी तक काउंसिलर की तैनाती की गई है, लेकिन यहां थेरेपी सेंटर नहीं हैं। इसके अलावा डीईआईसी सेंटर भी नहीं है। स्पीच थेरेपी, बिहेवियर थेरेपी और विशेष काउंसिलिंग के लिए मरीज को वाराणसी व प्रयागराज सहित अन्य जिलों में रेफर करना पड़ता है। बदलती जीवन शैली के बीच जिला मानसिक विभाग की ओपीडी में किशोर, किशोरियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। हर महीने 50 के करीब ओपीडी हो रही है। इसमें ज्यादातर मानसिक विकृति से पीड़ित मरीज हैं। इसमें ऑटिज्म के मरीज भी पहुंच रहे हैं। ऐसे मरीजों की जांच और दवा की सुविधा है। किशोरियों के लिए अलग से काउंसिलिंग की व्यवस्था नहीं है। एक ही पटल पर सभी मरीजों की काउंसिलिंग की जाती है। डीईआईसी न होने से ऑटिज्म बीमारी से पीड़ित व बच्चे किशोर को वाराणसी व प्रयागराज रेफर किया जाता है। मनोचिकित्सक डॉ. अभिनव पांडेय ने बताया कि ऑटिज्म बीमारी से पीड़ित किशोर व किशोरियों की दिमागी क्षमता शून्य हो जाती हैं। जो आगे चलकर गंभीर बीमारी का रूप ले लेती है। बीमारी के प्रमुख लक्षण हाथ, पैर बार–बार पटकना है। इसका उपचार स्पेशल एजुकेटर करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य विभाग में आने वाले मरीजों में किशोरों की संख्या लगातार ध्यान खींच रही है। पढ़ाई का दबाव, परीक्षा, पारिवारिक परिस्थितियां, व्यवहार में बदलाव और अन्य कारणों से किशोर मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। बच्चों में विकास संबंधी समस्या, व्यवहार में बदलाव अथवा अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों की पहचान और शुरुआती हस्तक्षेप के लिए डीईआईसी जैसी सुविधा उपयोगी होती है। जिले में ऐसी सुविधा नहीं होने से अभिभावकों को बच्चों को लेकर दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है।

एनएमओ के राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियां तेज, 2500 चिकित्सक व विद्यार्थी होंगे शामिल

गोरखपुर, (संवाददाता)। नेशनल मेडिकोस ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ) के राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों को अंतिम रूप देने की कवायद तेज हो गई है। 17 से 20 दिसंबर तक गोरखपुर में होने वाले अधिवेशन में देशभर से करीब 2500 चिकित्सक और मेडिकल विद्यार्थी शामिल होंगे। आयोजन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने एनएमओ के महासचिव डॉ. कुमार अंगदी और क्षेत्रीय सचिव डॉ. पवन सिंह गोरखपुर पहुंचे। पदाधिकारियों ने एम्स गोरखपुर और बीआरडी मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर कार्यक्रम स्थलों और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। एम्स में गेस्ट हाउस, सेमिनार हॉल, ऑडिटोरियम और मल्टीपर्पज हॉल का निरीक्षण किया गया। ठहरने, बैठक और कार्यक्रम से जुड़ी सुविधाओं को लेकर संबंधित टीमों से चर्चा की गई। इसके बाद बीआरडी मेडिकल कॉलेज में बैठक कर अधिवेशन की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें बीआरडी मेडिकल कॉलेज और एम्स की टीम के साथ एनएमओ गोरक्ष प्रांत के पदाधिकारी, आईएमए के पदाधिकारी और शहर के चिकित्सक शामिल हुए। भोजन, आवास, मंच प्रबंधन, वैज्ञानिक सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मीडिया, ऑडियो–वीडियो और वेन्यू मैनेजमेंट समेत विभिन्न समितियों के कार्यों की प्रगति जानी गई। महासचिव डॉ. कुमार अंगदी ने सभी टीमों को समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने और आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिवेशन के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अधिवेशन से पहले 17 और 18 दिसंबर को अयोध्या से गोरखपुर तक साइकिल यात्रा प्रस्तावित है। आयोजकों के अनुसार, यात्रा के जरिये चिकित्सा सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच का संदेश दिया जाएगा। यात्रा और अधिवेशन की व्यवस्थाओं को लेकर भी बैठक में विस्तृत चर्चा हुई।

बिजली संकट पर सपा नेता ने जताई चिंता

गोरखपुर, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आफताब अहमद ने भारी बारिश के बाद जारी बिजली संकट पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि जनपद के कई इलाकों में लोग दूसरे दिन भी बिजली का इंतजार कर रहे हैं। लंबे समय से बिजली आपूर्ति बाधित होने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि शनिवार को हुई तेज बारिश के कारण कई घरों और दुकानों में पानी भर गया है। बिजली गुल होने से मोटर नहीं चल पा रहे हैं, जिससे जमा पानी निकालना मुश्किल हो गया है। पानी के कारण घरों में रखा सामान खराब हो रहा है। वहीं, दुकानदारों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बिजली के अभाव में छोटे कारोबार और जरूरी काम पूरी तरह ठप हो गए हैं। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

35 हजार परिवारों के पक्के मकान का सपना जल्द होगा साकार

गोरखपुर, (संवाददाता)। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत करीब 35 हजार से अधिक पात्र परिवारों के पक्के मकान का सपना अब साकार होने वाला है। अंतिम सत्यापन के बाद चयनित लाभार्थियों के खाते में अक्तूबर से 40 हजार रुपये की पहली किस्त भेजे जाने की उम्मीद है। लंबे समय से आवास का इंतजार कर रहे पात्र परिवारों को इससे राहत मिलेगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में वर्ष 2024 से आवास प्लस के लिए सर्वे और आवेदन की प्रक्रिया चल रही थी। पक्के मकान के लिए करीब 66 हजार से अधिक लोगों ने आवेदन किया था। इसके बाद ग्राम पंचायत स्तर पर आवेदनों की जांच और पात्रता का सत्यापन कराया गया। जून में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत अधिकारियों और ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर आवेदनों का अंतिम सत्यापन किया गया। जिले की 1274 ग्राम पंचायतों में यह प्रक्रिया पूरी कराई गई। इनमें पात्र लाभार्थियों का चयन हुआ, जबकि 10 ग्राम पंचायतों में एक भी पात्र लाभार्थी नहीं मिला। जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक दीपक कुमार सिंह ने बताया कि अक्तूबर से 40 हजार रुपये की पहली किस्त जारी होने की उम्मीद है।

खराब मौसम में रेल पटरियों पर पहरा, वार रूम से जीएम की नजर

गोरखपुर, (संवाददाता)। पिछले तीन दिनों से लगातार हुई भारी बारिश और तेज हवाओं के बीच ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को लेकर पूर्वोत्तर रेलवे ने निगरानी बढ़ा दी है। गोरखपुर मुख्यालय के वार रूम से महाप्रबंधक उदय बोरवणकर खुद ट्रेनों के संचालन और विभिन्न रेलखंडों की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधकों से लगातार जानकारी लेकर जरूरी दिशा–निर्देश दिए जा रहे हैं। रेलवे के प्रमुख रेलखंडों पर ट्रैक, पुल, ओएचई, सिग्नल और दूरसंचार व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त टीमें लगाई गई हैं। जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष मानसून पेट्रोलिंग कराई जा रही है। पानी की निकासी के लिए अतिरिक्त पंप भी लगाए गए हैं। इंजीनियरिंग, विद्युत, सिग्नल एवं दूरसंचार और परिचालन विभाग के कर्मचारी चौबीस घंटे निगरानी में जुटे हैं। मिट्टी कटाव वाले स्थानों पर बोल्डर पैकिंग और ड्रेनेज की सफाई का काम भी कराया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर त्वरित कार्रवाई के लिए विभागवार टीमें तैयार रखी गई हैं। महाप्रबंधक ने रेलकर्मियों को सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी सतर्कता और आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया है।

बालक की करंट से मौत की जांच शुरू

गोरखपुर, (संवाददाता)। राप्तीनगर न्यू उपकेंद्र से जुड़े भाऊ राव देवरस कॉलोनी में शनिवार को सड़क पर गिरे बिजली के तार की चपेट में आने से 11 वर्षीय हेमराज यादव की मौत के मामले की जांच शुरू हो गई है। बिजली निगम ने हादसे की वजह और घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल के लिए दो सदस्यीय जांच टीम गठित की है। टीम ने शनिवार देर रात ही मौके पर पहुंचकर लोगों से बातचीत की थी। रविवार को भी टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों के बयान लिए गए।

16 से 30 नवंबर तक घर बैठे कर सकेंगे स्वगणना

वाराणसी, (संवाददाता)। जिले के लोग 16 से 30 नवंबर तक घर बैठे ऑनलाइन स्वगणना कर सकेंगे। इसके बाद एक दिसंबर से प्रगणक घर–घर पहुंचकर दर्ज जानकारी का सत्यापन करेंगे। जनगणना कार्य पूरा कराने के लिए करीब छह हजार कार्मिकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं डीएम शैलेष कुमार ने कहा कि द्वितीय चरण की जनगणना में सभी को सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि जिले के लोग घर बैठे अपने मोबाइल फोन के माध्यम से स्व–गणना कर सकते हैं। मोबाइल से वेबसाइट खोलें। अपने मोबाइल फोन में जनगणना की आधिकारिक वेबसाइट म.बमदेने.हवअ.पद खोलें। विकल्प पर क्लिक करें और मांगी गई जानकारी भरना शुरू करें। जनगणना में परिवारों से पूछे जाने वाले 40 सवालों को पांच प्रमुख भागों में सरल रूप से समझाया गया है। इसमें परिवार एवं पहचान, शिक्षा एवं भाषा, रोजगार, जन्म एवं प्रवास तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल हैं। जिसमें पहचान और परिवार में नाम, शिक्षा एवं भाषा, रोजगार, जन्म एवं प्रवास समेत अन्य जानकारी शामिल होगी। कोविड–19 टीकाकरण, बैंक खातों की संख्या, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, मतदाता पहचान–पत्र, पासपोर्ट तथा ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित जानकारी भी होगी। डीएम ने लोगों से अपील की कि स्व–गणना पोर्टल का लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि में घर बैठे मोबाइल के माध्यम से अपनी एवं अपने परिवार की सही जानकारी उपलब्ध कराएं।

भदोही को मिले 55 और सफाईकर्मी, संख्या हुई 198

भदोही, (संवाददाता)। जिले को दूसरे चरण में 55 सफाईकर्मी मिले हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों के सरप्लस सफाईकर्मियों को शासन ने भदोही भेजने का निर्णय लिया है। पहले चरण में फरवरी 2026 में 143 सफाईकर्मी आए थे। इससे अब सफाईकर्मियों की संख्या 198 हो गई है। सफाईकर्मियों के आने से गांवों में सफाई व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। अगले माह इनके कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। इसके बाद गांव आवंटित होंगे। जिले में सात नगर निकाय और 546 ग्राम पंचायतें हैं। कुल आबादी 20 लाख है। इसमें चार से पांच लाख आबादी शहरों में रहती है, जबकि 15 लाख की आबादी गांवों में रहती है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत सरकार गांवों को मॉडल बना रही है। सभी पंचायतों में इसके लिए एकल शौचालय, सामुदायिक शौचालय और रिसोर्स रिकवरी सेंटर का निर्माण कराया। इस पर 100 करोड़ से ज्यादा धनराशि खर्च की गई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।

नेशनल हाईवे पर तीन ट्रकों की भीषण भिड़ंत, तीन घायल केबिन में फंसे चालक को रेस्क्यू कर निकाला

वाराणसी, (संवाददाता)। मिर्जामुराद क्षेत्र के खजूरी चौकी के पास वाराणसी–प्रयागराज हाईवे पर सोमवार तड़के तीन भारी वाहनों की भीषण भिड़ंत हो गई। हादसा भारत पेट्रोलियम पंप के पास हुआ। दुर्घटना में ट्रेलर चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस टीम ने घायलों को अस्पताल भेजा। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू के बाद केबिन में फंसे चालक को बाहर निकाला गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाराणसी से प्रयागराज की ओर जा रहा एक ट्रक पेट्रोल पंप पर डीजल भरवाने के लिए मुड़ रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा दूसरा ट्रक अनियंत्रित होकर उससे टकरा गया। इसके तुरंत बाद पीछे से आ रहा भारी ट्रेलर भी दूसरे ट्रक में जा घुसा। तीनों वाहनों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनके कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद ट्रेलर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसका चालक केबिन में फंस गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। चालक को बाहर निकालने के लिए पुलिस और स्थानीय लोगों ने क्रेन की मदद ली। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद चालक को केबिन से सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल ट्रेलर चालक की पहचान रफीक (35) निवासी अलवर, राजस्थान के रूप में हुई है। हादसे में आगे चल रहे दोनों ट्रकों के चालक भी घायल हुए हैं। तीनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।